

## भारतीय वनिरिमाण में उत्पाद परष्कृतता की आवश्यकता

### प्रलिम्स लयि:

[सकल घरेलु उत्पाद \(GDP\)](#), [मेक इन इंडिया](#), इंडस्ट्री 4.0, [उत्पादन आधारति प्रोत्साहन \(PLI\)](#), [PM गतशक्ति](#)-नेशनल मास्टर प्लान, भारतमाला प्रोजेक्ट, [सागरमाला परयोजना](#)।

### मेन्स के लयि:

भारत में वनिरिमाण क्षेत्र के वकिस चालक, भारत के वनिरिमाण क्षेत्र से संबंधति चुनौतियीं, भारत में औद्योगिक क्षेत्र के वकिस के लयि सरकार की हालयिा पहल।

स्रोत: द हट्टि

### चर्चा में क्यीं?

हाल ही में वतित्तमंत्री ने कहा कि भारतीय वनिरिमाण क्षेत्र को अधिक परष्कृत उत्पाद वकिसति करने पर ध्यान केंद्रति करना चाहयि और सरकार इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लयि नीतगित सहायता प्रदान करने के लयि तैयार है।

### भारत के वनिरिमाण क्षेत्र की स्थति क्यिा है?

- वनिरिमाण क्षेत्र भारत के [सकल घरेलु उत्पाद](#) में 17% योगदान देता है और 27.3 मिलियन से अधिक शर्मकीं को रोजगार प्रदान करता है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिता है।
  - भारत सरकार का लक्ष्य ([मेक इन इंडिया का लक्ष्य](#)) वर्ष 2025 तक अर्थव्यवस्था के उत्पादन में वनिरिमाण क्षेत्र के योगदान को 25% तक बढ़ाना है।
- वनिरिमाण का बढ़ता महत्त्व ऑटोमोटिव, इंजीनियरिंग, रसायन, फार्मास्यूटिकल्स और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन से प्रेरति है।
- वतित्त वर्ष 2023 में वनिरिमाण नरियात 447.46 बलियन अमेरिकी डॉलर के रकिर्ड उच्च स्तर पर पहुँच गया, जो पछिले वर्ष (FY22) की तुलना में 6.03% की वृद्धि दर्शाता है जब नरियात 422 बलियन अमेरिकी डॉलर था।
- भारत के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों (8 प्रमुख उद्योग) में जनवरी 2024 के दौरान मंदी देखी गई, जोकि अंतमि 15 महीनों में सबसे धीमी थी। देश में वकिस दर घटकर 3.6% रह गई, जो दसिंबर 2023 (4.9%) और जनवरी 2023 (9.7%) से काफी कम है।
- अप्रैल-अक्तूबर, 2023 तक [औद्योगिक उत्पादन सूचकांक \(IIP\)](#) 143.5 रहा, जो आधार वर्ष (2011-12) की तुलना में 43.5% की वृद्धि दर्शाता है।
  - IIP अर्थव्यवस्था में औद्योगिक गतिविधि के सामान्य स्तर का एक समग्र संकेतक है। इसकी गणना और प्रकाशन हर महीने केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO) द्वारा कयिा जाता है।
- कोवडि-19 महामारी की दूसरी लहर में मंदी के कारण वनिरिमाण क्षेत्र के लयि क्षमता उपयोग पछिली तमिाही के 60.0% से बढ़कर दूसरी तमिाही (2021-22) में 68.3% हो गया।
  - क्षमता उपयोग से तात्पर्य उन वनिरिमाण और उत्पादन क्षमताओं से है जनिका उपयोग कसिी देश या उद्यम द्वारा कसिी भी समय कयिा जा रहा है।
- ड्रग्स और फार्मास्यूटिकल्स (+46%), खाद्य प्रसंस्करण उद्योग (+26%), और मेडिकल उपकरण (+91%) जैसे क्षेत्रों में FDI अंतरवाह में वृद्धि देखी गई।
- आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार, कोवडि-संबंधति व्यवधानों के बावजूद, वनिरिमाण क्षेत्र से संबंधति [सकल मूल्य संवर्धन \(GVA\)](#) में समग्र रूप से सकारात्मक वृद्धि देखी गई है।
  - इस क्षेत्र में कुल रोजगार वर्ष 2017-18 में 57 मिलियन से बढ़कर वर्ष 2019-20 में 62.4 मिलियन हो गया है।

### भारत में वनिरिमाण क्षेत्र की क्यिा संभावनाएँ हैं?

- **व्यापक घरेलू बाज़ार और मांग:** भारत में वनिरिमाण क्षेत्र ने अपने उत्पादों के लिये स्थानीय और वदिशी दोनों ग्राहकों द्वारा अत्यधिक मांग देखी है।
  - मई 2024 में **PMI (58.8)**, भारत के वनिरिमाण क्षेत्र में वसितार को दर्शाता है।
- **क्षेत्रीय लाभ:** भारत में रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक मशीनरी और कपड़ा जैसे प्रमुख वनिरिमाण क्षेत्रों ने हाल के वर्षों में महत्त्वपूर्ण वृद्धि का अनुभव किया है।
  - भारत में फार्मास्यूटिकल वनिरिमाण लागत अमेरिका और यूरोप की तुलना में लगभग 30%-35% कम है।
- **ग्लोबल साउथ के बाज़ार तक पहुँच:** **संयुक्त राष्ट्र** के अनुसार, भारतीय वनिरिमाण वैश्विक मूल्य शृंखला (Global Value Chains-GVC) में यूरोप से एशिया की ओर स्थानांतरित हो रहा है। ग्लोबल साउथ पारटनर्स से भारत की घरेलू मांग में वदिशी मूल्य वरद्धति (Foreign Value-added- FVA) की हसिसेदारी वर्ष 2005 में 27% से बढ़कर वर्ष 2015 में 45% तक पहुँची।
  - यह परविरतन भारतीय कंपनियों के लिये अपने स्वयं के GVC स्थापित करने और भारत को क्षेत्रीय विकास का मुख्य केंद्र बनने का अवसर प्रदान करता है।
- **MSME का उदय:** वर्तमान में देश के **सकल घरेलू उत्पाद** में MSME का लगभग 30% योगदान है और आर्थिक विकास को गति देने में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका होने के साथ भारत के कुल निर्यात में लगभग 45% की हसिसेदारी है।
- **मांग में वृद्धि:** भारत के वनिरिमाण उत्पादों की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मांग में वृद्धि हो रही है।
  - भारत के वनिरिमाण क्षेत्र में वर्ष 2025 तक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की क्षमता है।
- **प्रतसिपर्द्धात्मक लाभ:** बढ़ती उत्पादन क्षमता, लागत लाभ, नजी नविश और सरकारी नीतियों को प्रोत्साहित करना, भारत के वनिरिमाण क्षेत्र के विकास को गति दे रहे हैं, जो आने वाले वर्षों में दीर्घकालिक आर्थिक वसितार का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

## वनिरिमाण क्षेत्र हेतु सरकार की नीतियाँ:

- [मेक इन इंडिया 2.0](#)
- [उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजना](#)
- [उदारीकृत प्रत्यक्ष वदिशी नविश \(Foreign Direct Investment- FDI\)](#)
- [स्टार्टअप इंडिया](#)
- [आत्मनिर्भर भारत अभियान](#)
- [विशेष आर्थिक क्षेत्र \(Special Economic Zones- SEZ\)](#)
- [MSME इनोवेटिव स्कीम](#)
- [ईज ऑफ़ डूइंग बिज़नेस \(Ease Of Doing Business- EoDB\)](#)
- [वस्तु एवं सेवा कर \(Goods And Services Tax-GST\)](#) और [कॉर्पोरेट कर](#) में कटौती

## भारत में वनिरिमाण क्षेत्र की चुनौतियाँ क्या हैं?

- **पुरानी तकनीकें और अपर्याप्त बुनियादी ढाँचे पर निर्भरता** से भारतीय निर्माताओं की वैश्विक स्तर पर प्रतसिपर्द्धा करने तथा अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को पूरा करने की क्षमता में बाधा उत्पन्न होती है।
- **कुशल कार्यबल की कमी:** [वशिव बैंक](#) के अनुसार, भारत के केवल 24% कार्यबल के पास जटिल वनिरिमाण रोज़गारों के लिये आवश्यक कौशल है, जबकि अमेरिका में 52% और दक्षिण कोरिया में 96% कार्यबल के पास यह कौशल है।
- **उच्च इनपुट लागत:** [भारतीय रिज़र्व बैंक \[Reserve Bank Of India- RBI\] \(2022\)](#) के अनुसार, भारत में लॉजिस्टिक्स लागत वैश्विक औसत की तुलना में 14% अधिक है जो भारतीय वनिरिमाण उद्योग की समग्र प्रतसिपर्द्धात्मकता को प्रभावित करती है।
- **जटिल वनियामक वातावरण:** यह भारत में वनिरिमाण इकाइयाँ स्थापित करने के इच्छुक व्यवसायों के लिये नविश के रूप में कार्य करता है।
  - भारत में भूमि अधिग्रहण एक जटिल प्रक्रिया है, [नीति आयोग](#) ने सुझाव दिया है कि भूमि अधिग्रहण अधिनियम को वर्तमान तक वधायिका द्वारा पारित नहीं किया गया है।
- **चीन से प्रतसिपर्द्धा और आयात निर्भरता:** चीन ने वर्ष 2023-2024 में भारत के परिधान और वस्त्रों के कुल आयात के लगभग 42%, मशीनरी के 40% तथा इलेक्ट्रॉनिक्स के 38.4% से अधिक की आपूर्ति की।
  - [वशिव व्यापार संगठन \(World Trade Organisation- WTO\)](#) के अनुसार, चीन वशिव का अग्रणी निर्माता बना हुआ है, जिसने वर्ष 2022 में वैश्विक वनिरिमाण का लगभग 30% उत्पादन किया।

## आगे की राह

- **भारतीय वनिरिमाण में उद्योग 4.0 की आवश्यकता:** रिपोर्ट के अनुसार, वनिरिमाण क्षेत्र [उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकियों \(Industry 4.0 Technologies\)](#) के माध्यम से सकल घरेलू उत्पाद में 25% हसिसेदारी प्रदान कर सकता है।
  - भारतीय निर्माता प्रौद्योगिकी में अपने परिचालन बजट का 35% नविश करके डिजिटल परिवर्तन को तेज़ी से अपना रहे हैं तथा भविष्य में इसका और अधिक वसितार करने की आवश्यकता है।
- **बुनियादी ढाँचे में नविश:** बुनियादी ढाँचे के मानक और पहुँच को बढ़ाने तथा लॉजिस्टिक्स में कमी से वनिरिमाण उद्योग में नविश एवं व्यावसायिक रुचि बढ़ सकती है।
  - इसमें नए बाज़ारों में प्रवेश करने के इच्छुक व्यवसायों के लिये सहायता प्रदान करना या [निर्यात-उन्मुख वनिरिमाण \(Export-](#)

**Oriented Manufacturing)** को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों को लागू करना शामिल हो सकता है।

- **नरियातोनमुख वनिरिमाण को बढ़ावा देना:** नरियात-उन्मुख वनिरिमाण के विकास को प्रोत्साहित करने से भारतीय व्यवसायों को नए बाजारों में प्रवेश करने और उनकी प्रतस्पर्द्धात्मकता को बढ़ाने में सहायता मिल सकती है।
- **वत्तीय सहायता:** अधिकांश **MSME** को नरियात-संबंधित गतविधियों हेतु ऋण प्राप्त करने के लिये अत्यधिक संघर्ष करना पड़ता है। वनिरिमाण क्षेत्र में SME की वत्तित तक पहुँच बढ़ाने से उनकी वृद्धि और विकास में सहायता मिल सकती है।
- **वनियिमों को सुव्यवस्थिति करना:** वनियिमों को सरल एवं सुव्यवस्थिति करने से व्यवसायों पर बोझ कम करने और वनिरिमाण क्षेत्र में अधिक निवेश को प्रोत्साहित करने में सहायता मिल सकती है।
- **कौशल विकास को प्रोत्साहन:** प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिये अधिक अवसर प्रदान करने से वनिरिमाण क्षेत्र में कुशल श्रम के अभाव को दूर करके, इसकी प्रतस्पर्द्धात्मकता को बढ़ाने में सहायता मिल सकती है।
  - वयितनाम अपनी अपेक्षाकृत वसित्त, सुशिक्षित और कुशल श्रम शक्ती के कारण वर्तमान में एक वैश्विक वनिरिमाण केंद्र में बदल गया है।

#### दृष्टिभेन्स प्रश्न:

'मेक इन इंडिया' पहल के तहत हुई प्रगतिके साथ-साथ भारत के वनिरिमाण क्षेत्र की वर्तमान स्थितिका आकलन कीजिये। भारत के वनिरिमाण क्षेत्र में होने वाली वृद्धि में बाधा उत्पन्न करने वाली प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं?

### UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????:**

प्रश्न. 'आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक' (इंडेक्स ऑफ एट कोर इंडस्ट्रीज़) में नमिनलखिति में से कसिको सर्वाधिक महत्त्व दिया गया है? (2015)

- (a) कोयला उत्पादन
- (b) वदियुत उत्पादन
- (c) उर्वरक उत्पादन
- (d) इस्पात उत्पादन

उत्तर: (b)

प्रश्न. हाल ही में भारत में प्रथम 'राष्ट्रीय नविश और वनिरिमाण क्षेत्र' का गठन कहाँ कयि जाने के लिये प्रस्ताव दिया गया था? (2016)

- (a) आंध्र प्रदेश
- (b) गुजरात
- (c) महाराष्ट्र
- (d) उत्तर प्रदेश

उत्तर: (a)

प्रश्न. वनिरिमाण क्षेत्र के विकास को प्रोत्साहित करने के लिये भारत सरकार ने कौन-सी नई नीतगित पहल/पहलें की है/हैं? (2012)

1. राष्ट्रीय नविश एवं वनिरिमाण क्षेत्रों की स्थापना
2. 'एकल खड़िकी मंजूरी' (सगिल वडिो क्लीयरेंस) की सुवधि प्रदान करना
3. प्रौद्योगिकी अधगिरहण तथा विकास कोष की स्थापना

नीचे दयि गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

**??????:**

प्रश्न.1 "सुधारोत्तर अवधि में सकल-घरेलू-उत्पाद (जी.डी.पी.) की समग्र संवृद्धि में औद्योगिक संवृद्धिदर पछिड़ती गई है।" कारण बताइये। औद्योगिक नीति में हाल में कयि गए परविरतन औद्योगिक संवृद्धिदर को बढ़ाने में कहाँ तक सक्षम हैं? (2017)

प्रश्न. 2 सामान्यतः देश कृषि से उद्योग और बाद में सेवाओं को अंतरति होते हैं पर भारत सीधे ही कृषि से सेवाओं को अंतरति हो गया। देश में उद्योग के मुकाबले सेवाओं की वशिल संवृद्धि के क्या कारण हैं? क्या भारत सशक्त औद्योगिक आधार के बिना एक विकसित देश बन सकता है? (2014)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/indian-manufacturing-needs-product-sophistication>

